भजन

तर्ज–मेरा दिल तोड़ने वाले

मेरे महबूब मेरे श्यामा रूहों के वो सहारे है
रूहें उनमे ही बसती है रन्हों के वो नजारे है

1–उठाकर पान की बीड़ी दबा कर मुख में जब डाले
गरक होत देख मोमिन अदाओं से लुभाते है

2–सूरत उनकी तो अमरद है सलोने रस भरे नैना
ये उनकी मदभरी नजरें, हेत करके बुलाते है

3–वो मस्ती भरके आखों में नजर में जब नजर डालें
दिल पे बिजली सी गिरती है,वो लज्जत जब पिलाते है

4–चश्म ए दीद में जादू खैंच लेते है पलको में
बैठ कर जाम खिलवत में वो पैदरपे पिलाते हैं